राज्य सेवा परीक्षा : एक परिचय

https://dailyrojgarbuzz.com/cgpsc-introduction/

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC – Chhattisgarh Public Service Commission) जो राज्य में संवैधानिक निकाय है. जिसका संक्षिप्त रुप सीजीपीएससी होता है इसके द्वारा राज्य सेवा परीक्षा (SSE) जैसे – राज्य प्रशासनिक सेवा – उप जिलाध्यक्ष (DC) , राज्य पुलिस सेवा – उप पुलिस सेवा (DSP) , राज्य वित्त सेवा अधिकारी , जिला आबकारी अधिकारी , महिला एवं बाल विकास अधिकारी , नायब तहसीलदार आदि प्रतिष्ठित सेवाओं हेतु अभ्यर्थियों का चयन करने के लिये परीक्षा आयोजित करता है। प्रत्येक वर्ष 'राज्य सेवा परीक्षा' में लाखो अभ्यार्थी भाग लेते है और यह परीक्षा मुख्यतः तीन चरणों (प्रारंभिक , मुख्य एवं साक्षात्कार) में सम्पन की जाती है जो इस प्रकार है –

प्रारंभिक परीक्षा

- राज्य सेवा परीक्षा का प्रथम चरण 'प्रारंभिक परीक्षा' कहलाता है। इसकी प्रकृति पूरी तरह वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) होती है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक प्रश्न के लिये दिये गए चार संभावित विकल्पों (a, b, c और d) में से एक सही विकल्प का चयन करना होता है।
- प्रश्न से सम्बंधित आपके चयनित विकल्प को आयोग द्वारा दी गई ओएमआर सीट में प्रश्न के सम्मुख दिये गए संबंधित गोले (सर्किल) में उचित स्थान पर काले बॉल पॉइंट पेन से भरना होता है।
- राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा **200 अंकों** की होती है। वर्तमान में प्रारंभिक परीक्षा में दो प्रश्नपत्र शामिल हैं। पहला प्रश्नपत्र **'सामान्य अध्ययन' (100 प्रश्न , 200 अंक) का है ,** जबकि दूसरे को 'योग्यता परीक्षा' (Aptitude Test) या **'सीसैट' (100 प्रश्न, 200 अंक)** का होता है और यह क्वालीफाइंग पेपर के रूप में है। सीसैट प्रश्नपत्र में अनारक्षित श्रेणी अभ्यार्थी के लिए 33% अंक और आरक्षित श्रेणी अभ्यार्थी के लिए 23% अंक प्राप्त करने आवश्यक हैं।
- दोनों प्रश्नपत्रों में **'निगेटिव मार्किंग'** की व्यवस्था लागू है जिसके तहत 3 उत्तर गलत होने पर 1 सही उत्तर के बराबर अंक काट लिये जाते हैं।

मुख्य परीक्षा

- राज्य सेवा परीक्षा का दूसरा चरण **'मुख्य परीक्षा'** कहलाता है।

- प्रारंभिक परीक्षा का उद्देश्य सिर्फ इतना है कि सभी उम्मीदवारों में से कुछ गंभीर व योग्य उम्मीदवारों को चुन लिया जाए तथा वास्तविक परीक्षा उन चुने हुए उम्मीदवारों के बीच आयोजित कराई जाए।
- मुख्य परीक्षा **कुल 1400 अंकों** की है जिसमें **1000 अंक सामान्य अध्ययन के लिये (200 – 200 अंकों के 5 प्रश्नपत्र), 200 अंक एक भाषा पेपर** के लिये तथा **200 अंक निबंध** के लिये निर्धारित हैं।
- मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं में साथ-साथ प्रकाशित किये जाते हैं , हालाँकि उम्मीदवारों को दोनों में से किसी एक भाषा पर उत्तर देने की छूट होती है। [**नोट :** हिंदी विषय का पेपर – हिंदी भाषा में , English – English भाषा में , छत्तीसगढ़ी – छत्तीसगढ़ी भाषा में] गौरतलब है कि जहाँ प्रारंभिक परीक्षा पूरी तरह वस्तुनिष्ठ (Objective) होती है, वहीं मुख्य परीक्षा में अलग-अलग शब्द सीमा वाले वर्णनात्मक (Descriptive) या व्यक्तिनिष्ठ (Subjective) प्रश्न पूछे जाते हैं।
- इन प्रश्नों में विभिन्न विकल्पों में से उत्तर चुनना नहीं होता बल्कि अपने शब्दों में लिखना होता है। यही कारण है कि मुख्य परीक्षा में सफल होने के लिये अच्छी लेखन शैली बहुत महत्त्वपूर्ण मानी जाती है।

साक्षात्कार

- सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम एवं महत्त्वपूर्ण चरण **साक्षात्कार (Interview)** कहलाता है। मुख्य परीक्षा मे चयनित अभ्यर्थियों को सामान्यत: दिसंबर – जनवरी माह में आयोग के समक्ष साक्षात्कार के लिये उपस्थित होना होता है।
- CGPSC द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा में **इंटरव्यू के लिये कुल 150 अंक** निर्धारित किये गए हैं। मुख्य परीक्षा के अंकों (1400 अंक) की तुलना में इस चरण के लिये निर्धारित अंक कम अवश्य हैं लेकिन अंतिम चयन एवं पद निर्धारण में इन अंकों का विशेष योगदान होता है।
- इंटरव्यू के दौरान अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व का परीक्षण किया जाता है , जिसमें आयोग में निर्धारित स्थान पर इंटरव्यू बोर्ड के सदस्यों द्वारा मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं , जिनका उत्तर अभ्यर्थी को मौखिक रुप से ही देना होता है। यह प्रक्रिया अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार सामान्यत: 40-50 दिनों तक चलती है।
- मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त किये गए अंकों के योग के आधार पर अंतिम रूप से मेधा सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार की जाती है।
- इस चरण के लिये चयनित सभी अभ्यर्थियों का इंटरव्यू समाप्त होने के सामान्यत: एक सप्ताह पश्चात् अन्तिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाती है।